International Journal of Research in Economics and Social Sciences (IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 7 Issue 2, February- 2017, pp. 253~259
ISSN (o): 2249-7382 | Impact Factor: 6.939 | Thomson Reuters Researcher ID: L-5236-2015

"हरियाणा के जिले 'कुरूक्षेत्र' के ग्रामीण क्षेत्रीय प्राथमिक विद्यालयों के स्तर को ऊपर उठाने में सर्व शिक्षा अभियान का योगदान"

शोधार्थी

हुकम चन्द

असिस्टेट प्रोफेसर

डॉ०बी०ऑर अम्बेडकर कॉलेज कुरूक्षेत्र

प्रस्तावना

वर्तमान समय मे शिक्षा को मानव विकास की सीढ़ी माना जाता है । शिक्षा एक ऐसा साधन है, जिससे व्यक्ति की सर्वांगीण विकास होता है । इसलिए यह जरूरी हो जाता है, कि शिक्षा की पहुंच सभी तक बनाई जाए । सभी को शिक्षा के समान अवसर उपलब्ध करायें जाएं । समाज के सभी वर्गो को शिक्षा प्राप्त करने के समान अवसर मिलें । सभी को आगे बढ़ने तथा अपना जीवन स्तर सुधारने के लिए अवसर मिलें ।

भारत के सविधान के अनुच्छेद 45 के अनुसार व्यवस्था की गई कि संविधान लागू होने के 10 वर्ष के अन्दर 6–14 वर्ष की आयु के सभी बच्चों के लिए नि:शुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा की व्यवस्था रहेगी । इस उद्वेश्य को पूर्ण करने के लिए शिक्षा को प्रदान करने का उचित स्थान होना अनिवार्य होता है । वह स्थान विद्यालय है जहां बच्चे का शारीरिक, बौद्धिक, मानसिक और भावानात्मक विकास होता है ।

प्राथमिक शिक्षा :

प्राथमिक शिक्षा वह रोशनी है जो जीवन के अन्धकार को दूरकर बालक को चहुंमुखी विकास का मार्ग प्रशस्त करती है । भारतवर्ष की वर्तमान शिक्षा व्यवस्था में प्राथमिक शिक्षा का

अत्यधिक महत्वपूर्ण स्थान है । प्राथमिक शिक्षा समूची शिक्षा का प्रथम सोपान है ।

प्राथमिक शिक्षा का अर्थ :

प्राथमिक शिक्षा का अर्थ है शिक्षा का आरम्भ । यह शिक्षा का वह स्तर है जिसमें बच्चा विद्यालय में दाखिला लेकर विधिवत रूप में पढ़ना आरम्भ कर देता है ।

शौक्षिक महत्व :

1. सर्वशिक्षा अभियान से स्कूलों की संस्थागत स्थिति में सुधार हुआ जिससे बच्चे राजकीय प्राथमिक स्कूलों की और आकर्षित हुए ।
2. सर्वशिक्षा अभियान से स्कूलों में पर्याप्त भवन और शौचालयों की सुविधाएं प्रदान की गई जिससे छात्रों को लाभ हुआ ।
3. सर्वशिक्षा अभियान के द्वारा स्कूलों में बच्चों के लिए डयूल डैस्क एवं टाट पट्टी उपलब्ध कराई ।
4. इस अभियान के द्वारा बच्चों को सहायक सामग्री खेल का समान एवं पाठ्य पुस्तकें दी गई ।
5. इन अभियान के कारण शिक्षा के सार्वभौमिकरण में मदद मिलती है ।

शोध का नामकरण :

"हरियाणा के जिले 'कुरूक्षेत्र' के ग्रामीण क्षेत्रीय प्राथमिक विद्यालयों के स्तर को ऊपर उठाने में सर्व शिक्षा अभियान का योगदान"

शोध के उद्वेश्य :

1. प्राथमिक विद्यालयों की भौतिक एवं मानवीय सुविधाओं की स्थिति का पता लगाना
2. सर्वशिक्षा अभियान के अर्न्तगत हुए सुधारों को जानना ।
3. सर्वशिक्षा अभियान के कार्य की गति का पता लगाना ।

शोध की परिसीमाएं :

1. प्राथमिक विद्यालयों को उपलब्ध करवाई भौतिक व मानवीय सुविधाओं को लिया गया है ।
2. प्रस्तुत अध्ययन हरियाणा राज्य के जिलें कुरूक्षेत्र तक सीमित है ।
3. इस शोध कार्य में केवल 20 सरकारी प्राथमिक विद्यालयों के 100 अध्यापकों को लिया गया है ।

योजना एवं कार्य पद्धति :

प्रस्तुत अध्ययन के लिए सर्वेक्षण विधि को अपनाया गया है ।

जनसंख्या व न्यादर्श :

इस शोधकार्य के लिए 20 राजकीय प्राथमिक विद्यालयों का चुनाव यादृच्छिक प्रणाली के अतंगर्त लाटरी विधि अपना कर किया गया । इसके उपरान्त इन विद्यालयों में 100 शिक्षकों को इसी आधार पर चुना गया ।

शोध विधि :

शोधकर्त्ता ने अपने शोधकार्य के लिए स्वयं निर्मित प्रशनवली के माध्यम से कुरूक्षेत्र जिले के 20 स्कूलों को शामिल किया है । इस शोधकार्य के लिए स्वंय निर्मित प्रश्नावली के आंकड़ो को एकत्रित किया ।

शोध उपकरण :

शोधार्थी ने अपने निर्देशक की सहायता से प्रश्नावली का निर्माण किया है और उस प्रश्नावली में निम्नलिखित क्षेत्रों से संबंधित प्रश्नों को शामिल किया गया है ।

क्षेत्र 1 विद्यालय से संबंधित

क्षेत्र 2 अध्यापकों से संबंधित

क्षेत्र 3 बच्चों से संबंधित

क्षेत्र 4 स्कूल के अन्य पहलुओं से संबंधित

सांख्यिकी तकनीक :

सभी प्रश्नों के उत्तरों से उपलब्ध आंकडों का विश्लेषण और व्याख्या करने के लिए सांख्यिकी तकनीक के रूप में प्रतिशत विधि को प्रयोग किया तथा अध्यापकों के उत्तरो का अध्ययन प्रतिशत के आधार पर किया गया ।

आंकडों का विश्लेषण और व्याख्या :

इस अध्याय में आंकडों का विश्लेषण एवं व्याख्या को प्रस्तुत किया गया है । जो निम्नलिखित है ।

(क) विद्यालय से संबंधित :

तालिका नं. 1

क्या सर्वशिक्षा अभियान के अर्न्तगत भवन (कमरों) का निर्माण किया गया है?

क्रं.सं.	प्रतिक्रिया	अध्यापकों की संख्या	प्रतिशत
1.	हाँ	40	100 प्रतिशत
2.	नही	00	00 प्रतिशत
	योग	100	100 प्रतिशत

तालिका: नं. 1 के अध्ययन से पता चलता है कि 100 प्रतिशत अध्यापकों का कहना है कि सर्वशिक्षा अभियान के तहत विद्यालयों में भवन निर्माण हुआ है । जबकि 00 प्रतिशत विद्यालय ऐसे भी है जहां भवन निर्माण नही किया गया है।

तालिका नं. 2

क्या सर्वशिक्षा अभियान के अर्न्तगत पर्याप्त मात्रा में फर्नीचर की सुविधा उपलब्ध करवाई गई है?

क्रं.सं.	प्रतिक्रिया	अध्यापकों की संख्या	प्रतिशत
1.	हाँ	81	81 प्रतिशत
2.	नही	19	19 प्रतिशत
	योग	100	100 प्रतिशत

तालिका: नं. 2 के अध्ययन से पता चलता है कि केवल 81 प्रतिशत अध्यापकों का कहना है कि सर्वशिक्षा अभियान के अर्न्तगत फर्नीचर की सुविधा दी गई है । जबकि 19 प्रतिशत अध्यापकों का कहना है कि इस अभियान के तहत फर्नीचर की सुविधा नही दी गई है ।

तालिका नं. 3

क्या सर्वशिक्षा अभियान के अर्न्तगत विद्यालय में मरम्मत के लिए अन्य ग्रांट प्रदान की गई है?

क्रं.सं.	प्रतिक्रिया	अध्यापकों की संख्या	प्रतिशत
1.	हाँ	88	88 प्रतिशत
2.	नही	12	12 प्रतिशत
	योग	100	100 प्रतिशत

तालिका: नं. 3 से पता चलता है कि केवल 88 प्रतिशत अध्यापकों का कहना है कि सर्वशिक्षा अभियान के तहत विद्यालय में मरम्मत के लिए अनय ग्रांट प्रदान की गई है जबकि 12 प्रतिशत अध्यापकों का कहना है कि उनके विद्यालय में मुरम्मत के लिए कोई ग्रांट नही दी गई है ।

तालिका नं. 4

क्या सर्वशिक्षा अभियान के तहत विद्यालय में पुस्तकों की सुविद्या उपलब्ध कराई गयी है?

क्रं.सं.	प्रतिक्रिया	अध्यापकों की संख्या	प्रतिशत
1.	हाँ	93	93 प्रतिशत
2.	नही	07	07 प्रतिशत
	योग	100	100 प्रतिशत

तालिका: नं. 4 को देखने से पता चलता है कि केवल 93 प्रतिशत अध्यापकों का मत है कि सर्वशिक्षा अभियान के तहत विद्यालय में पुस्तकों की सुविधा उपलब्ध करवाई गई है । जबकि 07 प्रतिशत अध्यापकों का मत है कि इस अभियान के तहत विद्यालय में पुस्तकों की सुविधा उपलब्ध नही करवाई गई है ।

तालिका नं. 5

क्या विद्यालय में सर्वशिक्षा अभियान के अर्न्तगत आवश्यक शिक्षण सहायक सामग्री उपलब्ध करवाई गई है?

क्रं.सं.	प्रतिक्रिया	अध्यापकों की संख्या	प्रतिशत
1.	हाँ	91	91 प्रतिशत
2.	नही	09	09 प्रतिशत
	योग	100	100 प्रतिशत

तालिका: नं. 5 के पता चलता है कि केवल 91 प्रतिशत अध्यापकों का कहना है कि सर्वशिक्षा अभियान के तहत विद्यालय में आवश्यक शिक्षण सहायक सामग्री उपलब्ध करवाई गई है । जबकि 09 प्रतिशत अध्यापकों का कहना है कि सर्वशिक्षा अभियान के अर्न्तगत आवश्यक शिक्षण सहायक सामग्री उपलब्ध नही करवाई गई ।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

1. अग्रवाल वाई.पी. (1980) " *स्टोटिसटिक मैथड कान्सेप्ट एण्ड एप्लीकेशन"* नई दिल्ली, स्टारलिन पब्लिसर प्रा.लि. ।

2. सिंह कश्मीरा *" प्राईमरी शिक्षा के मार्ग में आने वाली कठिनाईयां"* एम.एड. डेजिस्टेशन, कुरूक्षेत्र, कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय ।

3. कोठारी सी.आर.(1985) *" रिसर्च मैथडोलाजी मैथड एण्ड टक्नीक्स"* नई दिल्ली, वलेए इसटरन लि. 483524, अंसारी रोड़ दरियागंज ।

4. कुंड सी.एल. (1971) *"नीड नेचर एण्ड ऐल्यूकेशन ऑफ स्पेसिफिक गुप इन हरियाणा रिट्रोस्पेक्ट एण्ड परोस्पैक्ट 1971"*

5. कुमार बलजीत (1980) *" प्राबलम इन डिवरपमन्ट ऑफ प्राईमरी एज्यूकेशन इन, कुरूक्षेत्र डिस्ट्रिक"* डेजिरटेशन एम.एड. डिपार्टमेट, कुरूक्षेत्र, कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय।

6. कुमार जय (1973) *" डिफिकल्टी ऑफ प्राईमरी एजुकेशन इन रूरल ऐरिया ऑफ करनाल डिस्टिक 74 एन.सी.ग्रो. हिल्स, 1984"*